CLASS-X

विषय : हिन्दी (SET-II)

समय : **3** घंटे पूर्णांक : **90**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से छाँटकर दीजिए : (1x5=5)

मनुष्य को निष्काम भाव से सफलता-असफलता की चिन्ता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना है। आशा या निराशा के चक्र में फँसे बिना उसे निरंतर कर्तव्यरत रहना है। किसी भी कर्तव्य की पूर्णता पर सफलता अथवा असफलता प्राप्त होती है। असफल व्यक्ति निराश हो जाता है, किन्तु मनीषियों ने असफलता को भी सफलता की कुंजी कहा है। असफल व्यक्ति अनुभव की सम्पत्ति अर्जित करता है, जो उसके भावी जीवन का निर्माण करती है। जीवन में अनेक बार ऐसा होता है कि हम जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते हैं, वह पूरा नहीं होता। ऐसे अवसर पर सारा परिश्रम व्यर्थ हो गया-सा लगता है और हम निराश होकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए दुबारा प्रयत्न नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे-धीरे बोझ बन जाता है। निराशा का अंधकार न केवल उसकी कर्म-शक्ति, वरन् उसके समस्त जीवन को ही ढँक लेता है। निराशा की गहनता के कारण लोग कभी-कभी आत्महत्या तक कर बैठते हैं। मनुष्य जीवन धारण करके कर्म-पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए विघ्न-बाधाओं की, सफलता-असफलता की तथा हानि-लाभ की चिन्ता किए बिना कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनन्द एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है, ऐसा जीवन ही सफल है।

(क) मनुष्य का कर्तव्य पालन के प्रति कैसा भाव होना चाहिए?

(i) परिश्रम का भाव (ii) सकाम भाव

(iii) निष्काम भाव (iv) सफलता का भाव

(ख) कर्तव्य पूरा होने पर प्राप्त होती है -

(i) सफलता (ii) असफलता

(iii) सफलता और असफलता (iv) सफलता या असफलता

(ग) जीवन की सार्थकता है -

(i) सफलता के लिए दुबारा प्रयत्न करना (ii) लक्ष्य से विचलित न होना

(iii) हानि-लाभ की चिन्ता करना (iv) कर्तव्य मार्ग पर चलते रहना

(घ) मनुष्य के लिए असफलता भी सफलता की कुंजी बन जाती है, क्योंकि वह -

(i) दुबारा प्रयत्न नहीं कर पाता (ii) अनुभव अर्जित करता है

(iii) निष्क्रिय हो जाता है (iv) आशा-निराशा के चक्र में नहीं फँसता

(ङ) आत्महत्या का एक कारण है -

(i) नशे की आदत (ii) गरीबी

(iii) निराशा (iv) कर्तव्यहीनता

प्र2. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तरों के लिए सही विकल्प चुनिए - (1x5=5)

जल और मानव जीवन का घनिष्ठ संबंध है। वास्तव में जल ही जीवन है। विश्व की प्रमुख संस्कृतियों का जन्म बड़ी-बड़ी नदियों के किनारे ही हुआ। बचपन से ही हम जल की उपयोगिता, शीतलता और निर्मलता के कारण उसकी ओर आकर्षित होते रहे हैं, किंतु नल के नीचे नहाने और जलाशय में डुबकी लगाने में ज़मीन-आसमान का अंतर है। आज सर्वत्र हज़ारों व्यक्ति प्रतिदिन सागरों, नदियों और झीलों में तैरकर मनोविनोद करते हैं और साथ ही अपना शरीर भी स्वस्थ रखते हैं। स्वच्छ और शीतल जल में तैरना तन को स्फूर्ति ही नहीं, मन को शांति भी प्रदान करता है। तैराकी आनंद की वस्तु होने के साथ-साथ हमारी आवश्यकता भी है। नदियों के आस-पास गाँव के लोग सड़क-मार्ग न होने पर एक-दूसरे से तभी मिल सकते हैं जब उन्हें तैरना आता हो अथवा नदियों में नावें हों। प्राचीनकाल में आदमी को तैरकर ही नदियों को पार करना पड़ता था। तैरने के लिए आदम मनुष्य को निश्चय ही प्रयत्न और परिश्रम करना पड़ा होगा, क्योंकि उसमें अन्य प्राणियों की तरह तैरने की जन्मजात क्षमता नहीं है। जल मे मछली आदि जलजीवों को स्वच्छंद तैरते, विचरण करते देख मनुष्य ने उसी प्रकार तैरना सीखने का प्रयत्न किया और धीरे-धीरे उसने इस कार्य में इतनी निपुणता प्राप्त कर ली कि आज तैराकी एक कला के रूप में गिनी जाने लगी है।

(क) जल को जीवन क्यों माना गया है?
- (i) अमृत होने के कारण
- (ii) आवश्यक तत्व होने के कारण
- (iii) जीने के लिए ज़रूरी होने के कारण
- (iv) पेड़-पौधों और फ़सल की सिंचाई के कारण

(ख) जल की ओर आकर्षित होने का कारण नहीं है -
- (i) उपयोगिता
- (ii) शीतलता
- (iii) निर्मलता
- (iv) मनोविनोद

(ग) हज़ारों व्यक्ति तैरने से क्या प्राप्त करते हैं?
- (i) स्फूर्ति और शांति
- (ii) पुरस्कार और सफलता
- (iii) स्वच्छता और निर्मलता
- (iv) परिश्रम और थकान

(घ) तैरने के लिए आदिम मनुष्य को क्या करना पड़ा होगा?
- (i) प्रयत्न और परिश्रम
- (ii) सीखना
- (iii) क्षमता का उपयोग
- (iv) कर्म

(ङ) निम्न पदों में से कौन-सी संज्ञा भाववाचक नहीं है?
- (i) स्फूर्ति
- (ii) शांति
- (iii) निपुणता
- (iv) तैराक

प्र3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - (1x5=5)

आ रही रवि की सवारी
नव-किरण का रथ सजा है,
कलि-कुसुम से पथ सजा है,
बादलों-से अनुचरों ने स्वर्ण की पोशाक धारी
आ रही रवि की सवारी।
विहग बंदी और चारण,

गा रहे हैं कीर्ति-गायन,
छोड़कर मैदान भागी तारकों की फौज सारी।
आ रही रवि की सवारी।
चाहता, उछलूँ विजय कह
पर ठिठकता देखकर यह
रात का राजा खड़ा है, राह में बन कर भिखारी।
आ रही रवि की सवारी।

(i) काव्यांश का विषय क्या है?
- (क) आकाश
- (ख) प्रभात
- (ग) सूर्योदय
- (घ) किरण

(ii) बादलों को क्या माना है?
- (क) साथी
- (ख) सेवक
- (ग) राजा
- (घ) सहायक

(iii) कीर्ति-गान कौन कर रहे हैं?
- (क) पक्षी
- (ख) सूर्य
- (ग) सभी लोग
- (घ) सूर्य की पूजा करने वाले

(iv) चाँद को भिखारी क्यों कहा है?
- (क) उसके पास धन का अभाव है
- (ख) वह भिखारी जैसा दिखता है
- (ग) सूर्य के सामने उसकी आभा कम हो जाती है
- (घ) चन्द्रमा सूरज से ज़्यादा चमकता है

(v) 'तारे मैदान छोड़कर भाग गए' - कथन का आशय है -
- (क) तारे हार गए
- (ख) सूर्य के सामने फीके पड़ गए
- (ग) उन्होंने मुँह छिपा लिया
- (घ) मैदान छोटा पड़ गया

प्र4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए :- (1x5=5)

कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
ठोकर मार, पटक मत माथा,
तेरी राह रोकते पाहन!
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
ले-दे कर जीना, क्या जीना?
कब तक गम के आँसू पीना?
मानवता ने सींचा तुझको
बहा युगों तक खून पसीना!
कुछ न करेगा? किया करेगा -
रे मनुष्य - बस कातर क्रंदन?
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
'युद्ध देहि' कहे जब पामर,

दे न दुहाई पीठ फेर कर!
या तो जीत प्रीति के बल पर,
या तेरा पथ चूमे तस्कर!
प्रतिहिंसा भी दुर्बलता है,
पर कायरता अधिक अपावन!
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!
तेरी रक्षा का न मोल है,
पर तेरा मानव अमोल है!
यह मिटता है, वह बनता है,
यही सत्य की सही तोल है!
अर्पण कर सर्वस्व मनुज को,
कर न दुष्ट को आत्म-समर्पण
कुछ भी बन, बस कायर मत बन!

(क) 'पाहन' प्रतीक हैं -
(i) पत्थर के (ii) बाधाओं के
(iii) आँसुओं के (iv) प्रतिहिंसा के

(ख) कवि किस प्रकार के जीवन को जीवन नहीं मानता?
(i) खून-पसीना बहाने वाला (ii) हिंसा न करने वाला
(iii) रक्षा न कर पाने वाला (iv) ले-देकर जीने वाला

(ग) कवि किस पर सब कुछ समर्पित करने के लिए कह रहा है -
(i) दुष्ट पर (ii) कायर पर
(iii) दुर्बल पर (iv) मानव पर

(घ) कवि ने अधिक अपवित्र किसे माना है -
(i) पाहन को (ii) कायरता का
(iii) क्रंदन को (iv) पामर को

(ङ) 'कुछ न करेगा? किया करेगा - रे मनुष्य, बस कातर क्रंदन' पंक्ति में कौन-सा भाव प्रमुख है -
(i) दुष्टता का (ii) कायरता का
(iii) दुर्बलता का (iv) निष्क्रियता का

(खण्ड-ख)

प्र5. (क) शब्द की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। (1)
(ख) चरित्रवान व्यक्ति अच्छे कर्म करता है। वाक्य में विशेषण पद छाँटिए। (1)
(ग) 'छोटा बच्चा रोता हुआ धीरे-धीरे माँ के पास चला गया।' वाक्य में क्रियाविशेषण पदबंध चुनकर लिखिए। (1)
(घ) घर के सामने वाला पेड़ कट गया। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए। (1)

प्र6. (क) ये किताबें किसकी हैं? रेखांकित पद का परिचय लिखिए। (1)
(ख) वर्षा में मेरे कपड़े अस्त-व्यस्त हो गए हैं। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। (1)
(ग) भागकर जाओ और काम पूरा करो। रेखांकित पद का परिचय लिखिए। (1)
(घ) नंदिनी ने बताया कि वह कल यहाँ आएगी। रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए। (1)

प्र7. (क) चूँकि वह अपराधी है, इसलिए उसे सज़ा मिली। संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)
(ख) सभा समाप्त हुई और सब लोग वहाँ से चले गए। मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए। (1)
(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में संधि कीजिए - अखिलेश, परमैश्वर्य, सत्यार्थ (1+1=2)

प्र8. (क) गिरि + ईश की संधि कीजिए। (1)
(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो समस्त पदों का विग्रह कर भेद का नाम लिखिए। (1+1=2)
कमलनयन, घुड़दौड़, क्रीड़ाक्षेत्र, देशनिकाला
(ग) 'श्वेत है जो अंबर' का समस्त पद बनाकर समास का भेद लिखिए। (1)

प्र9. (क) निम्नलिखित मुहावरे एवं लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए - (1+1=2)
(i) हेकड़ी जताना (ii) एक ही थाली के चट्टे-बट्टे होना
(iii) कमर कसना (iv) काला अक्षर भैंस बराबर
(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे अथवा लोकोक्ति द्वारा कीजिए - (1+1=2)
(i) बच्चे की मृत्यु का समाचार सुनकर पिता की _____ टूट गई।
(ii) जब कीड़े फ़सल खा चुके, तब दवाई छिड़कने का क्या लाभ। ठीक ही कहा गया कि का _____ सुखाने।

(खण्ड-ग)

प्र10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों के सही विकल्प लिखिए - (1x5=5)
सुखिया सब संसार है, खावै अरू सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै ॥
निदंक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणि बिना, निरमल करै सुभाइ ॥

(i) संसार अपना सुख किसमें मानता है?
(क) खाने और सोने में (ख) खाने और पीने में
(ग) पीने और पिलाने में (घ) सोने और जागने में

(ii) कबीर दुखी है संसार को -
(क) मोह-माया के जंजाल में फँसा देखकर (ख) केवल सोते और जागते देखकर
(ग) आपस में लड़ते-झगड़ते देखकर (घ) केवल कमाते हुए देखकर

(iii) 'सुभाय' का अर्थ है -
(क) अच्छा भाई (ख) मन पसंद
(ग) स्वभाव (घ) शुभकार्य

(iv) निदंक हमारा स्वभाव कैसे बदलता है -

(क) निंदा से हमारी कमियाँ बताकर (ख) समय-समय पर चेतावनी देकर

(ग) साबुन और पानी के त्याग से (घ) पड़ोस में रहकर

(v) कबीर कहते हैं कि निदंक को -

(क) अपने निकट रखना चाहिए

(ख) अपने घर के अंदर नहीं रखना चाहिए

(ग) घर के बाहर रखना चाहिए

(घ) अपने आसपास भी नहीं फटकने देना चाहिए।

अथवा

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर ॥
भगत कारण रूप नरहरि, धरयो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर ॥

(i) 'भीर' का आशय है -

(क) पीड़ा (ख) विपत्ति

(ग) कष्ट (घ) बाधा

(ii) 'आप बढ़ायो चीर' में 'आप' किसके लिए आया है?

(क) ईश्वर (ख) शिव

(ग) विष्णु (घ) कृष्ण

(iii) किस भक्त के कारण भगवान ने नरहरि रूप धारण किया?

(क) ध्रुव (ख) प्रहलाद

(ग) होलिका (घ) विष्णु

(iv) 'हरो म्हारी भीर' मीरा किस पीड़ा को दूर करने का प्रयास कर रही है?

(क) घर छोड़ आने की पीड़ा (ख) तीर्थ स्थानों की यात्रा करने से उत्पन्न पीड़ा

(ग) श्री कृष्ण के दर्शन न कर पाने की पीड़ा (घ) लोगों को दुखी देखकर उत्पन्न हुई पीड़ा

(v) मीरा पीड़ा हरने की बात किससे कह रही हैं?

(क) राम से (ख) कृष्ण से

(ग) शिव से (घ) ईश्वर से

प्र11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में लिखिए - (3x2=6)

(क) सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

(ख) निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे?

(ग) शोमैन से आप क्या समझते हैं? लेखक ने राजकपूर को एशिया का सबसे बड़ा शोमैन क्यों कहा?

(घ) 'तीसरी कसम' फिल्म को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता क्यों कहा गया है?

प्र12. शैलेंद्र के गीतों की क्या विशेषता है? अपने शब्दों में लिखिए। (5)

अथवा

बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्त्वपूर्ण कहा है?

प्र13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

अब भाई साहब कुछ नरम पड़ गए थे। शायद वह अब कुछ समझने लगे थे कि मुझे डाँटने का अधिकार उन्हें नहीं रहा, मेरी स्वच्छन्दता बढ़ी। मैं उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। मुझे कुछ ऐसी धारणा हुई कि मैं पास ही हो जाऊँगा, पढ़ूँ या न पढ़ूँ, मेरी तकदीर बलवान है, इसलिए भाई साहब के डर से जो थोड़ा बहुत पढ़ लिया करता था, वह बंद हुआ। मुझे कनकौए उड़ाने का नया शौक पैदा हो गया था और अब सारा समय पतंगबाजी को भेंट होता था, फिर भी मैं भाई साहब का अदब करता और कनकौए उड़ाता। मांझा देना, कन्ने बाँधना, पतंग टूर्नामेंट की तैयारियाँ आदि समस्याएँ सब गुप्त रूप से हल की जाती थी। मैं भाई साहब को यह संदेह न करने देना चाहता था कि उनका सम्मान और लिहाज मेरी नज़रों में कम हो गया है।

(i) भाई साहब की नरमी का क्या कारण था? (1)

(ii) लेखक को कौन-सा नया शौक पैदा हो गया? क्यों? (2)

(iii) लेखक को अपने बारे में क्या धारणा बन गई थी? क्यों? (2)

अथवा

मोनुमेंट के बीच जहाँ शाम को सभा होने वाली थी उस जगह को तो भोर में छह बजे से ही पुलिस ने बड़ी संख्या में घेर लिया था पर तब भी कई जगह तो भोर में ही झंडा फहराया गया। श्रद्धानंद पार्क में बंगाल प्रांतीय विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू ने झंडा गाड़ा तो पुलिस ने उनको पकड़ लिया तथा और लोगों को मारा या हटा दिया। तारा सुंदरी पार्क में बड़ा-बाज़ार कांग्रेस कमेटी के युद्ध मंत्री हरिश्चंद्र सिंह झंडा फहराने पर वे भीतर न जा सके। वहाँ मारपीट हुई। गुजराती सेविका संघ की ओर से जुलूस निकला जिसमें बहुत-सी लड़कियाँ थीं उनको गिरफ्तार कर लिया।

(i) मोनुमेंट को क्यों घेरा गया था? (1)

(ii) पुलिस की सतर्कता का क्या कारण था? उन्होंने क्या व्यवस्था की। (2)

(iii) अविनाश बाबू कौन थे? उनके द्वारा झंडा गाड़ने पर क्या प्रतिक्रिया हुई? (2)

प्र14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (3x3=9)

(i) सच्चे मन में राम बसते हैं - दोहे के संदर्भानुसार आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) मीराबाई ने श्री कृष्ण के रूप सौन्दर्य का वर्णन कैसे किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) झरने किसके गौरव का गान कर रहे हैं? बहते हुए झरने की तुलना किससे की गई है?

(iv) 'तोप' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

प्र15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए - (3x2=6)

(i) हरिहर काका के गाँव में क्या स्थिति बन गई? क्यों?

(ii) ठाकुरबारी की स्थापना के बारे में क्या कहानी प्रचलित थी?

(iii) अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ कैसे रखते हैं? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्र16. हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले कौन लोग थे? उन्होंने उनके साथ कैसा बर्ताव किया? (4)

अथवा

अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरता है। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पढ़ने पर मृत्यु का वरण करने के लिए भी तैयार हो जाता है - स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-घ)

प्र17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए - (5)

(क) कर्म-जीवन का आधार
- कर्म का महत्व
- कर्म के अनुसार ही परिणाम
- उदाहरण द्वारा कथन की पुष्टि

(ख) सबसे न्यारा मेरा देश
- अनेकता में एकता
- विश्वशांति का दूत
- विभिन्न संस्कृतियों का समावेश

(ग) बढ़ती जनसंख्या, घटते संसाधन
- बढ़ती जनसंख्या एक गंभीर समस्या
- मानव जीवन पर दुष्प्रभाव
- संतुलन हेतु सुझाव

प्र18. आपके घर के आस-पास अवैध रूप से मकानों का निर्माण कार्य चल रहा है। इसकी सूचना देते हुए नगर-निगम को पत्र लिखकर जल्द कार्यवाही का निवेदन कीजिए। (5)

अथवा

अस्पताल के कर्मचारियों के लापरवाही से भरे व्यवहार की शिकायत करते हुए अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखिए।